ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 06-03-2026

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-03-06 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-03-07	2026-03-08	2026-03-09	2026-03-10	2026-03-11
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	31.0	32.0	32.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	15.0	16.0	16.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	59	58	57	56	56
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	24	21	16	20	18
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	7	7	7	7
पवन दिशा (डिग्री)	150	130	140	150	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	1	2
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सात दिनों (27 फरवरी से 5 मार्च) में कोई बारिश नहीं हुई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 26.6 से 29.0 डिग्री सेल्सियस और 9.9 से 14.8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। हवा पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम, दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-दक्षिण-पूर्व दिशाओं से 1.7 से 5.9 किमी प्रति घंटे की गति से चली। आगामी सप्ताह में बारिश की कोई संभावना नहीं है और कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.0 से 32.0 डिग्री सेल्सियस और 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। हवा दक्षिण-पूर्व-दक्षिण और दक्षिण-पूर्व दिशाओं से 5-7 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की उम्मीद है। आगामी सप्ताह के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है और मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई महत्वपूर्ण चेतावनी जारी नहीं की गई है, लेकिन तापमान में वृद्धि जारी रह सकती है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

तापमान को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से सिंचाई की जानी चाहिए और कीटों की नियमित निगरानी भी की जानी चाहिए।

सामान्य सलाहकार:

मौसम का पूर्वानुमान "मौसम ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट किया जाता है और मौसम संबंधी कृषि-मौसम सलाह "मेघदूत ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट की जाती है। बिजली गिरने की जानकारी के लिए "दामिनी ऐप" उपलब्ध है। मौसम, मेघदूत और दामिनी ऐप गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किए जा सकते हैं। 6 से 12 मार्च तक के विस्तारित पूर्वानुमान में कम वर्षा और सामान्य से अधिक अधिकतम और न्यूनतम तापमान का संकेत मिलता है।

लघु संदेश सलाहकार:

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, तापमान में वृद्धि देखी गई है जिससे फसलों में गर्मी का तनाव हो सकता है और इस प्रकार उपज प्रभावित हो सकती है, इसलिए तापमान को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से सिंचाई

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	कीटों के हमले की जांच के लिए फसलों की नियमित निगरानी आवश्यक है और तापमान को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से सिंचाई की जानी चाहिए। कीटों की संख्या को निर्धारित स्तर (इटीएल) से ऊपर जाने से रोकने के लिए फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए। कीटों के हमले से निपटने के लिए जैविक या रसायनिक नियंत्रण उपाय अपनाने चाहिए। रात में कीटों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए फेरोमोन या लाइट ट्रैप का उपयोग किया जा सकता है। कीटों को नियंत्रित करने के लिए 5% नीम के बीज के अर्क (नीम सीड कर्नेल एक्सट्रेक्ट) का भी प्रयोग किया जा सकता है। रसायनिक नियंत्रण के लिए क्लोरपाइरीफोस 20 ईसी का प्रयोग 2.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से किया जा सकता है।
मसूर की दाल	कीटों के हमले की जांच के लिए फसलों की नियमित निगरानी आवश्यक है और तापमान को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से सिंचाई की जानी चाहिए। कीटों की संख्या को निर्धारित स्तर (इटीएल) से ऊपर जाने से रोकने के लिए फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए। कीटों के हमले से निपटने के लिए जैविक या रसायनिक नियंत्रण उपाय अपनाने चाहिए। रात में कीटों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए फेरोमोन या लाइट ट्रैप का उपयोग किया जा सकता है। कीटों को नियंत्रित करने के लिए 5% नीम के बीज के अर्क (नीम सीड कर्नेल एक्सट्रेक्ट) का भी प्रयोग किया जा सकता है। रसायनिक नियंत्रण के लिए क्लोरपाइरीफोस 20 ईसी का प्रयोग 2.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से किया जा सकता है।
रेपसीड	यदि फसल पक गई हो तो फलियों को तोड़कर धूप में सुखा लें। फली बनने की अवस्था में नियमित सिंचाई करें। महू के हमले की स्थिति में, यदि नियमित निगरानी में पीले चिपचिपे जालों का उपयोग करके कीट की संख्या इकनोमिक थ्रेसहोल्ड लेवल (ईटीएल) स्तर से अधिक पाई जाती है, तो जैविक या रसायनिक नियंत्रण उपाय अपनाएं। रसायनिक नियंत्रण के लिए ऑक्सी-डेमेटोन मिथाइल 25 ईसी (1 मिली/लीटर) या डाइमेथोएट 30 ईसी (1 मिली/लीटर) का प्रयोग किया जा सकता है।
सरसों	यदि फसल पक गई हो तो फलियों को तोड़कर धूप में सुखा लें। फली बनने की अवस्था में नियमित सिंचाई करें। महू के हमले की स्थिति में, यदि नियमित निगरानी में पीले चिपचिपे जालों का उपयोग करके कीट की संख्या इकनोमिक थ्रेसहोल्ड लेवल (ईटीएल) स्तर से अधिक पाई जाती है, तो जैविक या रसायनिक नियंत्रण उपाय अपनाएं। रसायनिक नियंत्रण के लिए ऑक्सी-डेमेटोन मिथाइल 25 ईसी (1 मिली/लीटर) या डाइमेथोएट 30 ईसी (1 मिली/लीटर) का प्रयोग किया जा सकता है।
गेहूँ	नियमित सिंचाई की जानी चाहिए और खरपतवारों की निगरानी की जानी चाहिए। फालारिस माइनर को नियंत्रित करने के लिए क्लोडीनाफोप (60 ग्राम/हेक्टेयर) या फेनोक्साप्रोप (100-120 ग्राम/हेक्टेयर) का उपयोग करके रसायनिक नियंत्रण किया जा सकता है, जिससे प्रभावी नियंत्रण संभव है। छोटे खेतों में हाथ से खरपतवारों को हटाकर यांत्रिक नियंत्रण किया जा सकता है। पीली रतुआ रोग के लिए नियमित निगरानी की जानी चाहिए।
गन्ना	वसंत ऋतु में गन्ने की रोपाई अच्छी तरह से उपचारित और प्रतिरोधी किस्मों के बीजों से की जानी चाहिए। शरद ऋतु में बोए गए गन्ने में आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए।
चारा मक्की	अनुशंसित चारा मक्का की किस्मों की बुवाई की जानी चाहिए और बोई गई भूमि में सिंचाई की जानी चाहिए।।
ग्वारफली	अनुशंसित किस्मों की बुवाई की जानी चाहिए और बोई गई क्यारियों में सिंचाई की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	फल देने वाली फसलों की सिंचाई की जानी चाहिए और पहले से पके हुए टमाटरों को तोड़कर बिक्री के लिए भेज देना चाहिए।
मिर्च	फल देने वाली फसलों की सिंचाई की जानी चाहिए और पहले से पके हुए मिर्च को तोड़कर बिक्री के लिए भेज देना चाहिए।
सेम की फली	फ्रेंचबीन की बुवाई की जा सकती है और पहले से बोई गई क्यारियों में नियमित रूप से सिंचाई की जानी चाहिए।
सब्जी पीईए	आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए और उचित कीट नियंत्रण किया जाना चाहिए। पकी हुई फलियों को तोड़कर बिक्री के लिए भेज देना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं में जूँ/जूँ, जूँओं के झुंड और मक्खियों को नियंत्रित करने के उपाय करें। पर्याप्त मात्रा में हरे चारे की उपलब्धता के लिए ज्वार, मक्का आदि बोएं।
गाय	पशुओं में जूँ/जूँ, जूँओं के झुंड और मक्खियों को नियंत्रित करने के उपाय करें। पर्याप्त मात्रा में हरे चारे की उपलब्धता के लिए ज्वार, मक्का आदि बोएं।
भेड़	प्रजनन के लिए उपयोग की जाने वाली मादा और नर भेड़ों को अतिरिक्त संतुलित आहार प्रदान करें। भेड़ों/बकरियों को चेचक से बचाने के लिए उनका टीकाकरण करवाएं।
बकरा	भेड़/बकरियों को चेचक से बचाने के लिए उनका टीकाकरण करवाएं।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	तापमान बढ़ने पर रोग और कीटों की नियमित निगरानी करनी चाहिए और उसके अनुसार नियंत्रण उपाय करने चाहिए। फसल की महत्वपूर्ण अवस्थाओं के दौरान तापमान बनाए रखने के लिए नियमित सिंचाई करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

तापमान में वृद्धि से फसलों में ऊष्मा तनाव उत्पन्न हो सकता है, जिससे फली भरने और अनाज बनने की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

फसलों को नियमित रूप से सिंचाई की जानी चाहिए।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details